



श्री बृहद् मुंजय वर्धमान स्थानकुवासी जैन महासंघ

संचालित मातृश्री महिलादेन मराठी भाषी छाडवा (सामाजिकवादी)

धार्मिक शिक्षण बोर्ड आयोजित वार्षिक परीक्षा जैनशाळांनुं पेपर

ता. ११/०१/२०१५

समय : ८ थी १२

श्रेणी :

३

कुल गुण : १००

प्र-१ (अ) नीचे दिये हुए पाठों की पूर्ति करा । (२५)

- (१) नीसस्मिन्नेणं उडुसेणं (२) अभयदयाणं जीवदयाणं
(३) कडो उस्सुनो (४) पज्जवसाणाणं सच्चं (५) उच्चारैसु
वा वनेसु वा (६) कंदप्पे उवभोग परिभोग अइरते
(७) वंघे भनपाणवोच्छासे (८) जं वत्तुंघं विणयहीणं

(ब) गुप्तराती अर्थ लिखो । (११)

- (१) भंगलं (२) अभिष्टया (३) ठाणेणं (४) सिव (५) कंसा
(६) तेनाइडे (७) अइअंतरध्वासे (८) कायदुप्पणियाणे (९) आणवणप्पजेजे
(१०) लोगरस (११) न फासियं

(क) नीचे दिये हुए अर्थ के भागधरी लिखो । (१२)

- (१) योगमां रहेवा सर्व साधु भावतोने नमस्कार हो । (२) चार
इन्द्रियवाला जीव (३) श्री श्रेयांसनाथ श्यामीने (४) लोकना नाथ
(५) आर्त-रौद्र ध्यान धर्युं होय (६) प्रण प्रकारनां (७) उतावळमां घ्रासको
पडे तेवुं बोलवुं (८) धरवक्षरीनी मर्यादा ओळगी होय (९) दातणनी
जात अने मर्यादा (१०) चिंतन करवाने माटे (११) अचेत वस्तुने
सचेत वस्तुधी हांकी होय (१२) पोतानां पुत्र-पुत्री सिवाय बीजाना
विवाह भेलवी आप्या होय

(३) नीचे दिये हुए प्रश्नोंके जबाब लिखो । (७)

- (१) आवश्यक सूत्रना केरवा आवश्यक छे ? (२) महाव्रतनुं पावन
जीवनमां कोण करे छे ? (३) अनिचार कोने करे छे ? (४)
प्रतिक्रमण सेनुं करवामां आवे छे ? (२ मुद्दा) (५) इच्छामि
स्वमासभणो 'पाठ ग्या आसने बेसीने बोवाय छे ? (६) इच्छामि
ठामि 'पाठमां सौथी मोटुं पाप छुपायुं छे ते क्युं ? (७)
'आन' अटवे शुं ?

प्र-२ (अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति करा । (३)

- (१) जेमां सुख दुःखनो अनुभव करवानी शक्ति नथी, तेने
करे छे ।
(२) पथरनुं (संस्थान) आकार जेवुं छे,
(३) (Ocean Water) दरियाना पाणीनुं उत्कृष्ट आयुष्य वर्धनुं छे
(४) उघाडे मोटे बोलवाधी वायराना जीव एणाय छे,
(५) जमीन पर चाले तेने करे छे,
(६) संभूच्छिम मनुष्य अवस्थाभां ज मृत्यु पावे छे ।

(क) मुझे बताओ, मैं जौन हूँ। (२)

(१) हुं सेवो जीव हूं जे आकाशमां उडुं हूं।

(२) मांउं उल्कृष्ट आयुष्य त्रण अटोरात्रिनुं छे।

(३) मारा जुवार जेटवा हुकडामाथी एक एक जीव नीकलीने पारेवा (Pigeon) जेवडी काया करे तो ने जंबुद्वीपमां समाथ नही।

(४) हुं सेवी वनस्पति हूं मारां एक शरीरे अनंता जीव डेय छे।

(क) जोडी बनाओ। (२)

(अ)

(ब)

(१) बादर नेअकाय

(१) गर्भज मनुष्य

(२) केरी (आंबो)

(२) २५

(३) शंस

(३) ककन अटीद्वीपमां

(४) भवनपतिना देवता

(४) प्रत्येक वनस्पति (५) ऐशेन्द्रिय

(५) नीचे दिये हुए प्रश्नोंके उत्तर लिखो। (५)

(१) अपकायनुं संस्थान (आकार), कुळ वसो। (२) ज्ञातमी मरकनुं नम अने नेनी उल्कृष्ट स्थिति वसो। (३) दौरेन्द्रियनुं उल्कृष्ट आयुष्य कुळ वसो। (४) गर्भज तिर्यचनी उल्कृष्ट स्थिति, देवतानी अण्य स्थिति वसो। (५) प्रत्येक वनस्पति अटले शुं (६) साधारण वनस्पतिनां कोडीपणं बे उदाहरण वसो। (७)

बादर वाचरो शा थमी इणाच छे। (२ मुदा)

(३) नीचे दिये हुए प्रश्नोंके उत्तर लिखो। (१०)

(१) अपकायनी दया पाळवाना बे मुदा लिखो। (२) कंदमूळ खानर केनुं दुःख भोगवे छे। (३) जैन धर्मने ज्यो धर्म कह्यो छे। आसो वद उपभासे कथुं पर्व आवे छे। (४) मारा जीवननुं लड्य शुं छे। (५) मायाबो नारा केवी रीते धाय। रागना बे

प्र-३ नीचे दिये हुए प्रश्नोंका कथा पर आधार पर उत्तर लिखो (१०)

(१) नेम राजुवनी कथा परथी तमने शुं बोधपाठ भळे छे। (२ मुदा) (२)

(२) जमसुकुमाले ध्यानमां उभा रहेता परेवां शुं कथुं। (२)

(३) आनंद श्रावके भगवान पासे शुं पच्यकसाण कथी। (२ मुदा) (२)

(४) तिराने तिरारो महा। (३)

(१) "आनंद श्रावक साचुं बोले छे, माटे तमे नेमनी पासे जइने माकी मंजी।"

(२) "माटे दीजा सेवी छे।"

(३) "धन्य छे तमने। तमे मने साचा मर्जे लावीने उगारी बीधे।"

प्र-४ काव्य पूर्ति करो। (१०)

(१) मंदिर छे मुक्तितणां भंडार रान कळातणा।

(२) भमता महा भवसगरे आ पोकार जइने हुं करे।

(३) गुणधी भरेवा गुणीपन देखी अशुनो शुभ स्रोत वहे।

(४) सति जमावी सउने तो पात्रो भवाण।